आकाशवाणी
पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 01.05.2024 **समय : 1905**

- **भारतीय सूचना सेवा की वरिष्ठ अधिकारी मौसमी चक्रवर्ती ने आज आकाशवाणी समाचार के महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया।**
- **अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के स्कूलों में कल से गर्मी की छुट्टी रहेगी।**
- **पोर्ट ब्लेयर के चिन्मय मिशन में कल प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।**
- **प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अजय बैरागी ने बिल्लीग्राउंड अग्नि दुर्घटना के सभी प्रभावितों को तुरंत सहायता पहुंचाने का अनुरोध किया है।**

<><><><><><><><>

भारतीय सूचना सेवा की वरिष्ठ अधिकारी मौसमी चक्रवर्ती ने आज आकाशवाणी समाचार के महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। उन्नीस सौ इक्यानब्बे बैच की आई.आई.एस. अधिकारी, श्रीमती चक्रवर्ती के पास प्रेस सूचना ब्यूरो और केंद्रीय संचार ब्यूरो सहित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कई मीडिया संगठनों में काम करने का व्यापक अनुभव है। तीन दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में कैबिनेट मंत्री की निजी सचिव. के रूप में भी काम किया है। श्रीमती मौसमी चक्रवर्ती ने कल प्रधान महानिदेशक वसुधा गुप्ता की सेवानिवृत्ति के बाद कार्यभार ग्रहण किया।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के स्कूलों में कल से गर्मी की छुट्टी रहेगी। कल से द्वीपों के सभी सरकारी, निजी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त स्कूलों में तीस जून तक अवकाश रहेगा। एक जुलाई को सभी स्कूल पुनः खुल जाएंगे। चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी या शिक्षा विभाग या प्रशासन की ओर से दिए गए कार्यों में तैनात अधिकारियों को अपनी ड्यूटी के लिए स्टेशन में ही रहना होगा। ऐसे सभी अधिकारियों को नियमों के तहत ई.एल मिलेगा। गर्मी की छुट्टी के दौरान बच्चों को व्यस्त रखने और उनके कौशल विकास के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। कार्बाइंस कोव मार्ग स्थित विज्ञान केन्द्र में कल से अभिरूचि शिविर का आयोजन किया जाएगा। इक्कतीस मई तक चलने वाले इस शिविर में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। अभिरूचि कक्षाओं में एयरो मॉडलिंग, रोबोटिक साइंस, क्रिएटिव साइंस, शिप बिल्डिंग जैसे ट्रेडों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सप्ताह में दो विषयों पर पूर्ण रूप से जानकारी दी जाएगी। कक्षाएं सुबह नौ बजकर पन्द्रह मिनट से दिन में एक बजे तक चलेगी।

उधर, अंडमान निकोबार चेस एसोसिएशन छः मई से गर्मी की छुट्टियों के दौरान कोचिंग शिविर का आयोजन करेगा। खालसा पब्लिक स्कूल के सहयोग से स्कूल में इक्कीस जून तक चलने वाले इस शिविर में पांच से तेरह वर्ष आयु वर्ग के बच्चे भाग ले सकते हैं।

<><><><><><><><>

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद –एनसीईआरटी ने अपनी शैक्षणिक सामग्री के कॉपीराइट उल्लंघन को लेकर चेतावनी जारी की है। चेतावनी में कहा गया है कि यदि कोई भी व्यक्ति या संस्थान कॉपीराइट अनुमति के बिना एन.सी.ई.आर.टी पाठ्यपुस्तकों की सामग्री का व्यावसायिक उपयोग के लिए प्रकाशन करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एन.सी.ई.आर.टी ने लोगों से ऐसी पाठ्यपुस्तकों या कार्यपुस्तिकाओं का उपयोग न करने का आग्रह किया है और कहा है कि उनमें दी गई सामग्री तथ्यात्मक रूप से गलत हो सकती है। यह भी सलाह दी गई है कि यदि किसी व्यक्ति को ऐसी पायरेटेड पाठ्यपुस्तकें या कार्यपुस्तिकाएं मिलती हैं, तो एन.सी.ई.आर.टी को ईमेल pd.ncert@nic.in के माध्यम से इस विषय में तुरंत सूचित करें। एन.सी.ई.आर.टी ने कहा है कि वह स्कूली शिक्षा के सभी चरणों के लिए पाठ्यपुस्तकों के विकास और प्रसार के लिए उत्तरदायी है तथा शैक्षणिक और शिक्षण संसाधनों का अधिकृत स्रोत है।

<><><><><><><><>

पोर्ट ब्लेयर के चिन्मय मिशन में कल प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय सह–संगठन महामंत्री विनायक राव देशपांडे ने सभी लोगों से भारत को विश्व गुरू बनाने में योगदान देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज हमेशा ही

लोगों के हितों के साथ–साथ देश सेवा में अपना योगदान देता रहा है और हाल के दिनों में कई ऐसी उपलब्धियां हासिल हुई है, जिस पर देश के लोगों को गर्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंडमान निकोबार द्वीपसमूह तीर्थ भूमि है। यहां देश के वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहूति दी है और यहां की मिली–जुली संस्कृति एक मिसाल है। चिन्यम मिशन के स्वामी शुद्धानन्द सरस्वती ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। विश्व हिन्दू परिषद के स्थानीय महामंत्री राजेश लाल ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद के स्थानीय अध्यक्ष ब्रिजेश पांडे के अलावा द्वीपों के कई प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

देशभर में अवैध डिजिटल ऋण ऐप्प से संबंधित बड़ी संख्या में शिकायतें आ रही है। यह ऐप्स कम अवधि के लिए ऋण और माइक्रो क्रेडिट प्रदान करते है, लेकिन उनमें अत्यधिक ब्याज दरें और छिपे शुल्क शामिल होते है। यह ऐप्स भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित नहीं होते है, और वे कमज़ोर और कम आय वाले वर्ग के लोगों को प्रभावित करने का प्रयास करते है। यह ऋण प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं से गोपनीय निजी जानकारियां जैसे संपर्क, स्थान, फोटो और वीडियो प्रदान करने की मांग की जाती है। इन व्यक्तिगत जानकारियों का दुरूपयोग उनके खिलाफ ब्लैकमेल करने में किया जाता है। अवैध ऐप्स बड़े पैमाने पर बल्क एस एम एस, डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेन्जर और मोबाइल ऐप स्टोर आदि का उपयोग करते है। पुलिस ने सभी नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह देते हुए इन अवैध ऋण ऐप्स का उपयोग न करने की सलाह दी है। अगर किसी को इन ऐप्स का उपयोग करने से धोखाधड़ी, ब्लैकमेल या पीड़ा का सामना करना पड़े, तो वे सहायता, जानकारी या पूछताछ के लिए साइबर अपराध पुलिस थाना, अण्डमान व निकोबार द्वीपसमूह, राष्ट्रीय हेल्प लाइन नम्बर– एक नौ तीन शून्य तथा अण्डमान व निकोबार पुलिस साइबर हेल्पलाइन नम्बर– नौ पांच तीन एक आठ पांच छः शून्य आठ तीन पर संपर्क कर सकते है या cybercrime.gov.in का भी उपयोग कर सकते हैं।

<><><><><><><>

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अजय बैरागी ने बिल्लीग्राउंड अग्नि दुर्घटना के सभी प्रभावितों को तुरंत सहायता पहुंचाने का अनुरोध किया है। उप–राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में उन्होंने प्रभावित सभी चौदह दुकान मालिकों के नाम और उनके कारोबार का जिक्र करते हुए कहा कि इस अग्नि दुर्घटना से इनको भारी नुकसान पहुंचा है। आपदा की इस घड़ी में भाजपा अध्यक्ष ने हुए नुकसान का तुरंत आंकलन करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने और उप–राज्यपाल राहत कोष से सहायता देने का अनुरोध किया है।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन के तहत मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने 1962 नामक एक किसान मोबाइल अप्लीकेशन जारी किया है। यह ऐप पशुपालकों को संसाधनों तक पहुंच बनाने के लिए वन स्टॉप स्रोत के रूप में सहायता प्रदान करता है। यह ऐप सीधे मंत्रालय की वेबसाइट से जुड़े हुए है, जिससे कृषकों को क्षेत्र की योजनाओं और पहल के बारे में नवीनतम जानकारी मिलती है। कृषकों को पहचान की सुविधा और प्रबंधन के लिए क्यू आर कोड भी प्रदान किया गया है। इसके अलावा प्रत्येक जानवरों के टैग आई डी भी ऐपधारकों के आई डी से लिंक होंगे, ताकि ट्रैकिंग और संगठन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा सके। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। सभी कृषकों और संबंधित लोगों से इस ऐप का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

<><><><><><><>